नईदुनिया

रोज 3000 लीटर नकली दूध बनाकर चिलर प्लांटों पर खपाने वाली डेयरी पकड़ी

मुरैना(नईदुनिया प्रतिनिधि)। मुरैना जिले में नकली व मिलावटी दूध का कारोबार चरम पर है। शहरी क्षेत्रों की तुलना में अब ग्रामीण इलाकों में नकली दूध बनाने की डेयरियां चल रही हैं। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम द्वारा हो रही कार्रवाईयों में यह हकीकत सामने आई है। बुधवार को भी खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने जौरा तहसील के बिलगांव में नकली दूध बनाने क

Publish Date: | Wed, 19 Jan 2022 11:54 PM (IST)

मुरैना(नईदुनिया प्रतिनिधि)। मुरैना जिले में नकली व मिलावटी दूध का कारोबार चरम पर है। शहरी क्षेत्रों की तुलना में अब ग्रामीण इलाकों में नकली दूध बनाने की डेयरियां चल रही हैं। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम द्वारा हो रही कार्रवाईयों में यह हकीकत सामने आई है। बुधवार को भी खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने जौरा तहसील के बिलगांव में नकली दूध बनाने की डेयरी को पकड़ा है, जहां डिटर्जेंट व अन्य केमिकलों से हर रोज 2500 से 3000 हजार लीटर नकली दूध बनाकर चिलर प्लांटों पर खपाया जाता था।

दरअसल, खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम को बिलगांव के अंदर मुख्य रोड पर चलने वाली एक डेयरी पर मिलावटी व नकली दूध बनने की सूचना मिली। इसी सूचना पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी धर्मेन्द्र कुमार जैन ने अपनी टीम के साथ राजवीर बघेल की डेयरी पर छापामार कार्रवाई की तो देखकर अफसर भी हैरान रह गए। दरअसल इस डेयरी पर डिटर्जेंट व अन्य केमिकलों से नकली व मिलावटी दूध तैयार होता था। मौके पर 25 लीटर नकली दूध के लिए बनकर तैयार रखे घोल के अलावा 30 लीटर रिफाइंड आयल, 40 लीटर लिक्विड डिटर्जेंट, 7 किलो स्किम्ड मिल्क पाउडर, 4 किलो माल्टो डेक्सट्रिन पाउडर मिला। इसके अलावा 400 लीटर तैयार दूध भी यहां मिला है। उक्त डेयरी संचालक पर दूध खरीदने व बेचने का लाइसेंस था। इसकी आड़ में वह नकली दूध का कारोबार करता था। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने दूध, घोल, डिटर्जेंट पाउडर, रिफाइंड आयल आदि के सैंपल लिए। इसके बाद डेयरी को सील करवाया और फिर जौरा थाने में आरोपित राजवीर बघेल पर एफआइआर दर्ज करवाई गई है।

साख बनाने किसानों से दूध खरीदता, अंदर सफेद जहर का कारोबार

खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम की जांच पड़ताल में सामने आया है, कि मिलावटखोर राजवीर बघेल गांव में अपनी साख बनाने के लिए बिलगांव सहित आसपास के कुछ गांवों के किसानों का दूध खरीदता था। इसकी आढ़ में वह दुकान के अंदरूनी हिस्से में नकली दूध बनाने का कारोबार करता था। रिफाइंड आयल, डिटर्जेंट, स्किम्ड मिल्क पाउडर आदि से सफेद गाढ़ा घोल तैयार करता था, जिसमें पानी मिलाकर उसे हूबहू दूध जैसा बनाता। जांच में पाया गया है कि, राजवीर बघेल हर रोज ढाई से तीन हजार लीटर दूध की सप्लाई टैंकर में भरकर जौरा से लेकर कैलारस के चिलर प्लांटों पर करता है।

Source: **https://www.naidunia.com/madhya-pradesh/morena-morena-synthatic-milk-7254972**